बंगाल के नवाब एवं ईस्ट इण्डिया कम्पनी का बढ़ता प्रभुत्व

डॉ० शक्ति कुमार

1740 ई० में बिहार के नवाब नाजिम अलीवर्दी खाँ ने बंगाल पर आक्रमण कर दिया और शीघ्र ही सफलता प्राप्त कर बंगाल का नवाब बन गया। अंग्रेज इस समय व्यापार के साथ–साथ सैनिक शक्ति का भी विस्तार करने लगे थे। यद्यपि अलीवर्दी खाँ ने अंग्रेजों पर पैनी दृष्टि रखी, किन्तु उनसे कोई झगड़ा नहीं किया। इसका मुख्य कारण यह था कि अलीवर्दी खाँ यह भली–भाँति समझता था कि अंग्रेज मधुमक्खियों के छत्ते के समान हैं, जिनसे मधु तो मिल सकता है, परन्तु छेड़ने पर वे डंक भी मार सकते हैं।

बंगाल के नवाब अलीवर्दी खाँ के कोई पुत्र न था। अतः उसने अपने जीवनकाल में ही अपनी छोटी पुत्री आमिना बेगम के पुत्र मिर्जा मुहम्मद या सिराजुद्दौला को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। अतः अलीवर्दी खाँ की मृत्यु के पश्चात् उसकी छोटी पुत्री का पुत्र सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब बना। इस समय अंग्रेज बड़ी तीव्रगति से अपनी शक्ति बढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। अतः अब सिराजुद्दौला अंग्रेजों के प्रति अत्यधिक सतर्क हो गया।